कक्षा - छठी

पाठ - 2

वर्ण - विचार

प्र० 1 स्वरों का वर्गीकरण किस-किस आधार पर किया जाता है ?

उ० ① मात्रा के आधार पर ② मुँह और नाक से निकलने वाली हवा के आधार पर
③ जीभ के भाग के आधार पर ④ जीभ की स्थिति के आधार पर
⑤ प्रकृति / रचना के आधार पर ⑥ ओष्ठों की आकृति के आधार पर
⑦ प्रयत्न के आधार पर ⑧ स्थान के आधार पर
⑨ स्वरतंत्रियों के कंपन के आधार पर ⑩ श्वास के आधार पर

प्र० 2 जीभ के आधार पर स्वर का वर्गीकरण कैसे किया गया है ?

उ० अग्र - जिन स्वरों के उच्चारण में जीभ का आगे वाला अर्थात अग्र भाग काम करता है, वे अग्र स्वर कहे जाते हैं; जैसे - इ, ई, ए, ऐ ।

मध्य - जिन स्वरों के बोलने में जीभ का बीच वाला यानी मध्य भाग क्रियाशील होता है, वे मध्य स्वर कहे जाते हैं; जैसे - अ ।

पश्च - जिन स्वरों के बोलने में जीभ का पिछला भाग सहायक होता है, वे पश्च स्वर कहे जाते हैं; जैसे - आ, आॅ, उ, ऊ, ओ, औ ।

प्र० 3 वर्णों का क्या महत्व है ?

उ० हिंदी भाषा मे प्रयुक्त सबसे छोटी ध्वनि वर्ण कहलाती है। वर्ण ध्वनि के सबसे छोटे खंड होते हैं। जैसे - अ, क, ख, ग, च इत्यादि।

प्र० 4 व्यंजन के कितने भेद होते हैं। उनके नाम लिखिए?

उ० व्यंजन के तीन भेद होते हैं -

1 संयुक्त व्यंजन

2 आयोगवाह

3 द्वित्व व्यंजन

प्र० 5 संयुक्त व्यंजन और द्वित्व व्यंजन में अंतर स्पष्ट कीजिए?

उ० दो विभिन्न व्यंजनों के जोड़े से बने व्यंजन संयुक्त कहलाते हैं। जबकि जब किसी शब्द में एक ही प्रकार के दो व्यंजन वर्ण लगातार एक साथ आ जाते हैं तो उन्हें द्वित्व व्यंजन कहते है